

रजिस्टर नं ० HP/13/SML/2004.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(व्यापारारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 24 जनवरी, 2005/4 माघ, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 24 जनवरी, 2005

संख्या एल०एल०आर०डी० (६)-२७/२००४-ले.ज.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के प्रत्युच्छेद २०० के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक २३-१-२००५ को अनुमोदित

हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) बिलास-वस्तुएं कर द्वितीय संशोधन विधेयक, 2004 (2004 का विधेयक संख्यांक 21) को वर्ष 2005 के अधिनियम संख्यांक 3 के रूप में संविधान के ग्रन्तुच्छेद 348(3) के अधीन उसके अपेजी प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश राजपत्र (मसाधारण) में प्रकाशित करते हैं।

भादेश द्वारा,

(सुरेन्द्र सिंह ठाकुर)
सचिव (विधि)।

2005 का अधिनियम संख्यांक 3

हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर द्वितीय संशोधन अधिनियम, 2004

(माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा तारीख 23 जनवरी, 2005 को यथा प्रनुभोदित)

हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 (1979 का 15) का और संशोधन करने के लिए अधिनियम।

भारत गणराज्य के पचपनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर द्वितीय संशोधन अधिनियम, 2004 है।
- (2) यह 3 नवम्बर, 2004 को प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा।

1979 का
15.

2. हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'मूल अधिनियम' निर्दिष्ट किया गया है) की धारा 2 में,—

संक्षिप्त नाम
और
प्रारम्भ।

धारा 2 का
संशोधन।

- (i) खण्ड (ग) में "इसके अन्तर्गत" शब्दों के पश्चात् "अतिरिक्त या" शब्द रखे जाएंगे;
- (ii) खण्ड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"स्पष्टीकरण.—खण्ड (घ) के प्रयोजन के लिए जहां किसी होटल में कोई आवास सुविधा, टाइम शेयर करार के अधीन या पैकेज डील करार के अधीन या ऐसी किसी अन्य पद्धति के अधीन उपलब्ध करवाई गई है, जिसमें वर्ष में दी गई अवधि के दीरान आवास के उपभोग की सुविधा एक मुश्त संदाय के अन्तर्गत अनुज्ञात की गई है, तो उसे भी 'होटल' समझा जाएगा";

- (iii) खण्ड (ड) के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"स्पष्टीकरण.—खण्ड (ड) के प्रयोजन के लिए जहां उपलब्ध करवाई गई आवास सुविधा टाइम शेयर करार या पैकेज डील करार या ऐसी किसी अन्य पद्धति के अधीन है जिसमें केवल अनुरक्षण प्रभार, चाहे किसी भी नाम से जात हो, किए गए किसी एक मुश्त संदाय के अतिरिक्त कालिकतः संगृहीत किए गए हैं, तो उपलब्ध करवाई गई विलास-वस्तु के लिए, प्रभार निम्नलिखित रूप में अवधारित किए जाएंगे, अर्थात् :—

है तो, वस्तुतः उपभोग में लाई गई आवास सुविधा के लिए पांच सौ रुपये प्रति व्यक्ति प्रति दिन :—

- (i) स्विमिंग पूल,
- (ii) हैल्थ क्लब,
- (iii) टैनिस कोर्ट,
- (iv) गोल्फ कोर्स,
- (v) शॉपिंग मारकेट ; और

(vi) अन्य सभी मामलों में, विलास-वस्तु के लिए प्रभारों की गणना, वस्तुतः उपयोग में लाई गई आवास सुविधा के लिए, प्रति व्यक्ति प्रति दिन तीन सौ रुपये की दर से की जाएगी ।”।

(vii) पद “नए होटल” को परिभाषित करने वाले विद्यमान खण्ड (डड) को (डडड) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा ।

3. मूल अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (1) में निम्नलिखित परन्तुक संशोधन जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि जहां होटल में उपलब्ध करवाई गई विलास-वस्तु के लिए प्रभार दैनिक आधार पर से अन्यथा संदेय है, तो आवास सुविधा के अधिभोग की कुल अवधि के लिए प्राप्तियों के आवर्त्त की संगणना एक दिन के लिए अनुपाततः की जाएगी और विलास-वस्तु कर तदनुसार संदर्भ किया जाएगा ।”।

4. (1) हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर द्वितीय संशोधन अध्यादेश, 2004 का एतद्वारा निरसन किया जाता है।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, इस प्रकार निरसित अध्यादेश के अधीन की गई कोई बात या की गई कोई कार्रवाई इस अधिनियम के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन की गई समझी जाएगी ।

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Act No. 3 of 2005.

**THE HIMACHAL PRADESH TAX ON LUXURIES (IN HOTELS
AND LODGING HOUSES) SECOND AMENDMENT
ACT, 2004**

(As Assented to by the Governor on 23rd January, 2005)

AN

ACT

further to amend the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (in Hotels and Lodging Houses) Act, 1979 (Act No. 15 of 1979).

Be it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty-fifth Year of the Republic of India, as follows :—

1. (1) This Act may be called the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (in Hotels and Lodging Houses) Second Amendment Act, 2004.

**Short title
and com-
mencement.**

(2) It shall be deemed to have come into force on the 3rd day of November, 2004.

2. In section 2 of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (in Hotels and Lodging Houses) Act, 1979 (hereinafter referred to as the 'principal Act'),—

**Amend-
ment of
section 2**

(i) in clause (cc), after the words "also include the", the words "Additional or" shall be inserted;

(ii) after clause (d), the following Explanation shall be added, namely :—

"Explanation.—For the purpose of clause (d) wherever any accommodation in a hotel is provided under timeshare agreement or under package deal agreement or under any such other system wherein the facility of availing accommodation during a given period in a year is allowed under a lump-sum payment, shall also be deemed to be a 'hotel'.";

(iii) after clause (e), the following Explanation shall be added, namely :—

"Explanation.—For the purpose of clause (e) wherever accommodation provided is under timeshare agreement or under a package deal agreement or under any such other system wherein only maintenance charges, by whatever name called, are collected periodically; over and above any lump-sum

payment made, the charges for luxury provided shall be determined as under, namely :—

(a) Where a hotel is having any of the following facilities, Rs. 500/- per person per day for the accommodation facility actually availed :—

- (i) swimming pool,
- (ii) health club,
- (iii) tennis court,
- (iv) golf course,
- (v) shopping arcade; and

(b) In all other cases, the charges for luxury shall be worked out at the rate of Rs. 300/- per person per day for the accommodation facility actually availed.”; and

(iv) the existing clause (ee) defining the expression “new hotel” shall be renumbered as (eee).

Amend-
ment of
section 4.

3. In section 4 of the principal Act, in sub-section (1), the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that where the charges for luxury provided in a hotel are payable otherwise than on daily basis, then the turnover of receipts for the total period of occupation of accommodation shall be computed proportionately for a day and luxury tax paid accordingly.”.

Repeal of
Ordinance
No. 5 of
2004 and
savings.

4. (1) The Himachal Pradesh Tax on Luxuries (in Hotels and Lodging Houses) Second Amendment Ordinance, 2004 is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the Ordinance so repealed, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Act.